

UTTAR PRADESH SHASAN

GOPAN ANUBHAG-5

Lucknow, dated the December 22, 1988

No. 132/2/33/88-CX-5.—Whereas the State Government has reason to believe that Shri Kripa Ram, son of Shri Jot Ram, resident of Baropatti, Post Office Bahbulpur, District Hissar in respect of whom detention order No. 132/2/17/88-CX-5, dated 11th May, 1988 under clause (iii) of sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (Act No. 52 of 1974) has been made, has absconded or is concealing himself so that the said order cannot be executed.

Now, therefore, in exercise of the powers under clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the aforesaid Act, the Governor is pleased to direct the said Shri Kripa Ram, son of Shri Jot Ram to appear before the Chief Judicial Magistrate, Hissar (Haryana) in his Court within thirty days from the date of the publication of this Notification in the official Gazette.

By Order,

SANT KUMAR, TRIPATHI,

Grih Sachiv.

उत्तर प्रदेश सरकार

गोपन अनुभाग-5

संख्या-132/2/33/88-सी०एक्स०-5

लखनऊ

दिनांक 22 दिसम्बर, 1988

चूंकि राज्य सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि श्री कृपाराम, पुत्र श्री जोतराम, निवासी बाड़ोपट्टी, पोस्ट बहबलपुर, जिला हिसार जिनके सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा अनुरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (अधिनियम संख्या 52 संन 1974) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के अधीन निरोधआदेश संख्या-132/2/17/88-सी०एक्स०-5, दिनांक 11 मई, 1988 दिया गया है, फरार हो गये हैं या अपने को छिपाये हैं जिससे कि उक्त आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता है ;

2. अतएव, अब, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल उक्त श्री कृपाराम, पुत्र श्री जोतराम को इस अधिसूचना के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तीस दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हिसार (हरियाणा) के समक्ष, उनके न्यायालय में उपस्थित होने का निदेश देते हैं ।

आज्ञा से,

सन्त कुमार त्रिपाठी,

गृह सचिव ।

LATE NOTIFICATION